कृषि विभाग–पौधा संरक्षण
पौधा संरक्षण सामयिक सूचना

अंक–08 / 2014–15

राज्य में अब धान की कटनी कुछ ही दिनों में होने वाली है, फिर भी हानिकारक कीट–व्याधियों पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है। सीमान्त क्षेत्र के सीतामढ़ी जिले के परिहार, चिरौरा, पुपरी और सुरसड़ प्रखंडो से ग्रासहॉपर, पटना, रोहतास एवं बक्सर के क्षेत्रों से शीथ ब्लाईट एवं स्टेम बोरर तथा अन्य जगहों से स्टेम बोरर के साथ–साथ मिलीबग (दहिया कीट) का प्रकोप छिटपुट से निम्न की तीव्रता में देखा गया है। पूर्व के सामयिक सूचना में स्टेमबोरर के वारे में विस्तृत प्रंबधन का उपाय बताया जा चुका है। धान का फसल अभी गाभ्भा की अवस्था से बाली एवं दुग्धावस्था में है। ऐसी स्थिति में किसान भाई खेत की सफाई के साथ–साथ पानी का प्रबंधन एवं उर्वरक के प्रबंधन पर जरूर ध्यान देगे। साथ ही कीट/व्याधियों के प्रकोप से भी फसल को बचाव करना अति आवश्यक है:–

ग्रासहॉपर :– यह हरे रंग का एवं भूरे रंग का विभिन्न आकार में पाया जाने वाला एक बहुभक्षी कीट है, जिसकी मादा समूह में अंडे देती है। इस कीट के शिशु मानसून की पहली वर्षा के समय ही अंडे से निकल आते है, इसके शिशु एवं वयस्क दोनों पौधा के पत्तियों को किनारों से खाती है, जिसे देखकर सहज ही पहचाना जा सकता है। शिशु की अवस्था में ही छिड़काव द्वारा नियंत्रण कारगर होता है। बाद में कीट व्यस्क हो जाते है। और इनके बाह्य कंकाल (एस्को स्केलटन) कड़ा हो जाने पर इनपर कीटनाशियों का असर कम होता है। प्रबंधन इस तरह से कर सकते है:–

प्रबंधन :–

- प्रकाश फंदा लगाना चाहिए।
- पक्षी बैठका (8–10) प्रति हे0 लगाना चाहिए।
- डायक्लोरोभॉस 76 प्रतिशत तरल 300 मि0ली0 प्रति हे0 अथवा क्लोरपायरीफॉस 50 प्रतिशत ई0सी0+ साइपरमेथ्रिन 5 प्रतिशत ई0सी0 के संयुक्त उत्पाद का 2 मि0ली0 या मोनोक्रोटोफॉस 36 प्रतिशत का 1 मि0ली0 प्रतिलीटर पानी या एसीफेट 75 प्रतिशत डब्लू0 पी0 का 1 ग्राम प्रतिलीटर पानी में घोल बनाकर आवश्यकता हो तो छिड़काव करना चाहिए।

मिलीबग :– जल की कमी वाले क्षेत्रों इसका प्रकोप अपेक्षाकृत ज्यादा–ज्यादा देखने में आता है। पर यह कीट 5–10 झूड़ो को ही पैच में आक्रांत करता है, फलतः वृद्धि रूक जाती है तथा पत्तियाँ फुनगियों से सूखने लगती है। इस कीट के पिल्लू छोटे आकार के गुलाबी रंग के होते है, जिसके शरीर पर दही के रंग के समान की परत जमी होती है। ये कीट तना एवं पत्रांवरण के बीच छूपे रहते है तथा पौधो का रस चूसते रहते है।

प्रबंधन :–

- विलम्ब से तैयार होने वाली धान फसल में यदि कीट का प्रकोप नजर आ रहा हो तो आक्रांत पौधों के पैच के चारो ओर मिट्टी का मेढ़ बनाकर उसके पानी भर देना चाहिए तथा कार्बाफ्यूरॉन 3 जी दानेदार 3 ग्राम या फोरेट 10 जी दानेदार या कार्टाप हाईक्लोरोईड 4 जी (दानेदार) 1 ग्राम प्रतिवर्ग फीट की दर से बिखेर देना चाहिए। पूरे खेत में अगर प्रकोप हो तो उपरोक्त दानेदार दवाओं का प्रयोग अनुशंसा के अनुरूप करना चाहिए। ।

शीथ ब्लाईटः–धान के पत्रांवरण पर भूरे रंग के अनियमिताकार सॉप के केंचुल के आकार के धब्बा बनते हे। जो धान के गभ्भे को आक्रांत करता है। फलतः बालियों में दूध नहीं भर पाता है। और उपज को प्रभावित करता है।

प्रबंधनः– अगले मौसम में जब धान की खेती करें तो निम्न बातों पर अवश्य ध्यान दें:–

- रोग रोधी किस्म लगावें।
- फसल चक्र अपनावे।
- खेत से जल निकास का उत्तम प्रबंध करें।
- ट्राईकोडर्मा जैविक कीटनाशी के 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार करें।
- खड़ी फसल में कार्बेन्डाजिम 50% धुलनशील चूर्ण का 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें अथवा भैलिडामाइसिन 3 एल0 अथवा हेक्साकोनाजोल 5

प्रतिशत ई0सी0 का 2 मि0ली0 प्रतिलीटर पानी में घोल बनाकर प्रभावित पौधो पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

विशेष सेवा एवं सुविधा के लिए अपने नजदीक के पौधा संरक्षण केन्द्र/ सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण/ जिला कृषि कार्यालय/ कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्पर्क करें।

ह0/–
संयुक्त निदेशक, पौधा संरक्षण
बिहार, पटना।

ज्ञाप सं0...1367.../ कृ0/पटना, दिनाक– 31 अक्टूबर, 2014

प्रतिलिपिः– केन्द्र निदेशक, आकाशवाणी (सभी)/केन्द्र निदेशक, दूरदर्शन केन्द्र, पटना की सेवा में प्रेषित करते हुए आग्रह है कि कृपया जनहित में उपर्युक्त सूचनाओं को कृषि कार्यक्रमों में प्रसारित करने की कृपा की जाय।

प्रतिलिपिः– सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण (सभी)/सर्वेलेन्स पदाधिकारी पटना/सर्वेलेन्स शाखा मुख्यालय, पटना/किसान कॉल सेन्टर, पटना/जिला कृषि पदाधिकारी (सभी)/ उप/सहायक निदेशक, पौ0 सं0, (सभी)/उप कृषि निदेशक, सूचना, बिहार, पटना/ संयुक्त निदेशक (शष्य) सभी। आपसे आग्रह है कि किसानों के हित में सूचनाओं को प्रसारित करने की कृपा की जाय।

प्रतिलिपिः– प्राचार्य, प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र, मुशहरी, मुजफ्फरपुर, पटना, भोजपुर एंव पूर्णियाँ/वरीय वैज्ञानिक कीट/रोग, कृषि अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्र कृषि विश्वविधालय, मीठापुर पटना/कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र (सभी)/पौधा संरक्षण योजना के सेवानिवृत पदाधिकारियों को समर्पित करते हुए अनुरोध है कि अपने अनुभवों के आधार पर अपना बहुमूल्य सुझाव देने की कृपा करें।

प्रतिलिपिः– पौधा संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार/निदेशक, आई0 पी0 एम0, भारत सरकार, पौधा संरक्षण संगरोध एवं संचयन निदेशालय, एन0 एच0–4 फरीदाबाद (हरियाणा) की सेवा में सादर सूचनार्थ समर्पित।

प्रतिलिपिः– कृषि निदेशक, बिहार, पटना/ प्रधान सचिव, कृषि विभाग, बिहार, पटना/विकास आयुक्त, बिहार, पटना की सेवा में सादर सूचनार्थ सम्प्रेषित।

31/10/14
संयुक्त निदेशक, पौधा संरक्षण
बिहार, पटना।

जैविक अपनायें, स्वच्छ उपजायें।
स्वच्छ खायें, स्वस्थ रहें ।।